ISSN : 2229-5550

नाट्यम् 80

मार्च 2017

रंगमंच एवं सौन्दर्यशास्त्र की त्रैमासिक शोध पत्रिका

नाट्यशास्त्र विशेषांक

Scanned by TapScanner

नाट्यम् ४०

नाट्यशास्त्र विशेषांक

नाट्य परिषद्
संस्कृत विभाग
डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
सागर (म.प्र.) पिन - 470 003

Scanned by TapScanner

ISSN : 2229-5550

नाट्यम् 80

रंगमंच एवं सौन्दर्यशास्त्र की त्रैमासिक शोध पत्रिका

प्रधान संपादक

राधावल्लभ त्रिपाठी

संपादक

आनन्दप्रकाश त्रिपाठी

प्रबन्ध संपादक

सञ्जय कुमार

संपादक मण्डल

नौनिहाल गौतम

रामहेत गौतम

शशि कुमार सिंह

किरण आर्या

नाट्य परिषद्

संस्कृत विभाग

डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

सागर (म.प्र.) पिन - 470 003

Scanned by TapScanner

नाट्यम्
रंगमंच एवं सौन्दर्यशास्त्र की त्रैमासिक शोध पत्रिका,
अंक : 80, मार्च-दिसम्बर 2017
ISSN : 2229-5550
नाट्य परिषद् (पंजीकरण क्र. 100066)
संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
दूरभाष-फैक्स (कार्यालय) 07582-264366 पिन-470 003

Natyam : A Quarterly Journal of theatre and aesthetics
published by Natya Parisad. Deptt. of Sanskrit,
Doctor Harisingh Gour University, Sagar,
Madhya Pradesh-Pin-470 003. India.
Phone-Fax (off.) : 07582-264366

सदस्यता शुल्क :
विशेषांक का मूल्य - 250/- रु.
प्रत्येक अंक - 25/- रु., वार्षिक - 100/- रु.,
आजीवन (प्रति व्यक्ति) - 2000/- रु.,
आजीवन (प्रति संस्था) - 5000/- रु.

यह शुल्क मनीआर्डर, चेक या नगद दिया जा सकता है
जो नाट्य परिषद् के नाम तथा सागर में देय होगा।

पत्रव्यवहार :
प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी
अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) 470003
e-mail : sanskritsagar1946@gmail.com
© सर्वाधिक सुरक्षित

आवरण सज्जा : राजेश विश्वकर्मा
मुद्रण : अजय जैन, **अमन प्रकाशन** नमक मंडी,
कटरा, सागर (म.प्र.) मो. 9826434225

नाट्यम् में प्रकाशित नाटकों के अनुवादों/रूपान्तरों या किसी भी अन्य सामग्री की किसी भी रूप में प्रस्तुति के लिए *नाट्य परिषद्* से अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है।
प्रकाशित रचनाओं की रीति-नीति अथवा विचारों से *नाट्य परिषद्*, संपादक या संपादक मंडल की सहमति अनिवार्य नहीं है।

सूचना - आजीवन ग्राहकों को डाक व्यय 250 रु. (दो सौ पचास रूपये मात्र) पर नाट्यम् के उपलब्ध पुराने अंक भी निःशुल्क देय हैं।

Scanned by TapScanner

अनुक्रम

1. नाट्यशास्त्र : अतीत और वर्तमान — 9
विद्यानिवास मिश्र

2. संस्कृत में नाट्यशास्त्रीय ग्रन्थों की परम्परा — 13
एस.जी. कांटावाला

3. भरत का नाट्य-शास्त्र और पारंपरिक भारतीय रंगमंच : भारतीय रंगमंच की पहचान का प्रश्न तथा समकालीन रंगमंच पर नाट्यशास्त्रीय परंपरा का प्रभाव — 21
कमलेश दत्त त्रिपाठी (अंग्रेजी से अनुवाद-हिमांशु शेखर झा)

4. नई सहस्राब्दी में नाट्यशास्त्र — 38
कमलेशदत्त त्रिपाठी

5. कच्छ के महाराजा लखपत जी की पाण्डुलिपियाँ (नाट्यशास्त्र एवं प्रयोगविज्ञान की पाण्डुलिपि-परम्परा के सन्दर्भ में) — 47
बल्देवानन्द सागर

6. दशरूपक पर पूर्ववर्ती नाट्यशास्त्रीय साहित्य का प्रभाव — 52
अंजुम सैफी

7. नाट्यशास्त्र, संस्कृत नाटक तथा विश्वरंगमंच — 58
राधावल्लभ त्रिपाठी

8. नाट्यशास्त्र : नवयुग के रङ्गमञ्च का प्रकाशस्तभ — 62
हरिदत्त शर्मा

9. नाट्यशास्त्र और उसका समसामयिक संस्कृत रंग प्रयोग — 67
अजय कुमार मिश्र

10. विश्व रंगमंच के संदर्भ में नाट्यशास्त्र का रंगविधान — 91
कमल वासिष्ठ

11. नाट्यशास्त्र एवं लोक नाट्य — 97
कमल वासिष्ठ

12. नाट्यशास्त्र का लोकनाट्य नौटंकी पर प्रभाव — 102
रत्नाकर चौबे

13. नाट्यशास्त्र और संस्कृत नाटककार — 111
राधावल्लभ त्रिपाठी

14. कालिदास का त्रोटक (तोटक) और नाट्यशास्त्र — 130
कुसुम भूरिया

15. नाट्यशास्त्रीय अभिनय विधान और संस्कृत नाटक — 134
कमलेशदत्त त्रिपाठी

Scanned by TapScanner

16. इक्कीसवीं शताब्दी में नाट्य वास्तु : प्रासंगिता एवं उपादेयता 140
इच्छाराम द्विवेदी
17. सौष्ठव और सौंदर्यबोध : नाट्यशास्त्र की परंपरा 145
राधावल्लभ त्रिपाठी
18. नाट्यशास्त्र : भरत के अभिनय सूत्र 153
गौतम चटर्जी
19. नाट्यशास्त्र की सूक्ष्मता और भारतीयता 168
कमल वाशिष्ठ
20. नाट्यशास्त्र में नाट्यशालाओं के रूप 171
राय गोविन्दचन्द्र
21. नाट्यशास्त्र में भाषा चिंतन 196
कुसुम भूरिया
22. नाट्यशास्त्र का विशिष्ट प्रदान- बुद्बुदक छन्द 202
मनसुख के मोलिया
23. नाट्यशास्त्र का लक्षण सिद्धान्त 211
कुसुम भूरिया
24. नाट्यशास्त्र में 'कारिका' की अवधारणा 215
शिल्पी मिश्रा
25. नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दों की अर्थच्युति 219
निशांतकेतु
26. नाट्यशास्त्र के उसूल 227
संगीता गुन्देचा
27. नाट्यशास्त्र भारतीय कला चिन्तन और निगमागम परम्पराएँ 231
राधावल्लभ त्रिपाठी
28. नाट्यशास्त्र बनाम ग्रीक त्रासदी 246
क्लास गोंक मोआकैनिन
29. नाटक और समाज : नाट्यशास्त्रीय साक्ष्य 259
दिनेशचन्द डी. चौबीसा
30. नाट्यशास्त्र की लोकधर्मी परम्परा का एक विलुप्त नक्षत्र : निरतरंग 264
इच्छाराम द्विवेदी 'प्रणव'
31. नाट्यशास्त्र परंपरा की विलुप्त पांडुलिपियाँ तथा नाट्यप्रदीप 268
राधावल्लभ त्रिपाठी

Scanned by TapScanner